Dharmesh nanda, Department of Geography
Govt. Degree College, Bagaha-1 (W. Champaran)
BRABU, Muzaffarpur

B.A. Part-1 (Hons)
Paper- II

Topic

Myanmar
(म्यांमार)

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Guest)
Geography Department

म्यांमार (Myanmar)

यह मुख्यत: एक पहाड़ी देश है जिसका लगभग 52 प्रतिशत भाग पहाड़ी है। म्यांमार के पश्चिमी भाग में अराकान योमा पर्वत श्रेणी स्थित है। इसका सर्वोच्च शिखर सारामती (3826 मी०) है। यह एक नवीन मोड़दार पर्वत श्रेणी है जिसकी ऊँचाई एवं चौड़ाई उत्तर से दक्षिण की ओर क्रमश: घटती जाती है।

इस देश के पूर्वी भाग में शान का पठार स्थित है जो चीन में स्थित युनान के पठार का ही दक्षिणी भाग है। इस पठार पर अनेक ज्वालामुखी पर्वत पाये जाते हैं। सालवीन नदी इस पठार पर प्रवाहित होती है।

म्यांमार के मध्यवर्ती भाग में इरावदी, चिन्दवीन एवं सितांग नदियों का विशाल मैदान स्थित है। मैदान के पूर्वी भाग में सितांग नदी एवं पश्चिमी भाग में इरावदी तथा उसकी सहायक चिन्दवीन नदी बहती है। इन दोनों नदियों के मध्य पीगूयोमा पर्वत श्रेणी फैली हुई है। इस पर्वत श्रेणी पर अनेक ज्वालामुखी पाए जाते हैं।

अराकानयोमा के पश्चिमी भाग में 400 से.मी. वर्षा होती है जबकि मध्य का मैदानी भाग शुष्क (50 सेमी) है। म्यांमार में सगौन के वृक्षों की प्रधानता है। विश्व की 50 प्रतिशत सगौन की लकड़ी म्यांमार से ही प्राप्त होती है। म्यांमार में इरावदी, सितांग एवं सालवीन नदियों का डेल्टाई भाग चावल का प्रमुख उत्पादक क्षेत्र है। यह प्रदेश म्यांमार का 80% चावल उत्पन्न करता है।

म्यांमार की कुल कृषि योग्य भूमि के 80% भाग पर चावल की कृषि की जाती है। देश की कुल अर्थव्यवस्था का 40% एवं विदेशी व्यापार का 60% भाग पर चावल से प्राप्त होता है। म्यांमार का सबसे महत्वपूर्ण खनिज पदार्थ खनिज तेल है। यहाँ खनिज तेल के भंडार इरावदी नदी की घाटी में पाए जाते हैं।

तेल के प्रमुख कुएं इण्डाव, लेंबीना, पनांगयांग आदि में स्थित हैं। खनिज तेल के पश्चात् टीन म्यांमार का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण खनिज है। म्यांमार में टीन के भंडार तेनासेरिम क्षेत्र में टवाय एवं मुरगुई की खानों में, विक्टोरिया प्वाइंट के मध्य एवं उत्तरी भाग में तथा शान पठार के मोंगि क्षेत्र में पाए जाते हैं।

शान पठार के बाउविन क्षेत्र में जस्ता, सीसा एवं चांदी के भंडार पाए जाते हैं। यहां का चांदी का भंडार विश्व के विशालतम भंडारों में से एक है। रंगून, पेगू एवं रंगून नदी के संगम पर स्थित है।

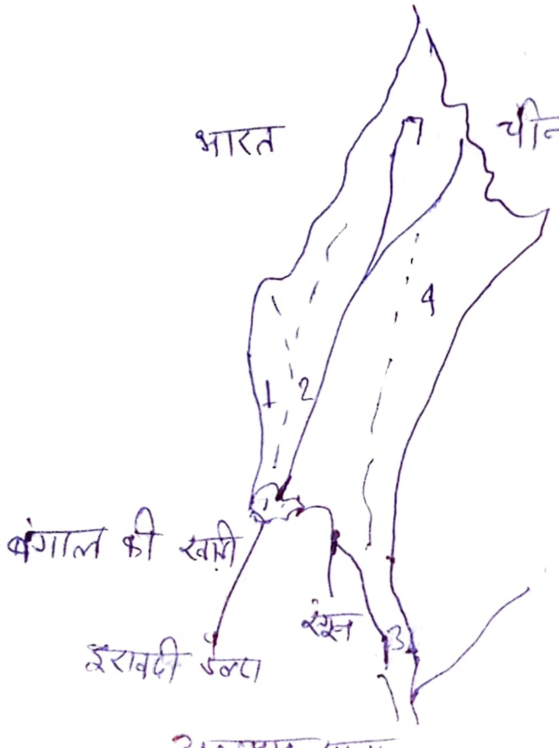

1. तटवर्ती अराकान प्रदेश
2. दक्षिणी डेल्टाई प्रदेश
3. तेनासेरिम का तटवर्ती प्रदेश
4. शान पठार प्रदेश
5. मध्यवर्ती शुष्क भूमि
6. पश्चिमी पर्वतीय प्रदेश
7. उत्तरी पर्वतीय प्रदेश